BIHAR FOUNDATION
BONDING • BRANDING • BUSINESS

बिहार सरकार
उद्योग विभाग

+91 0612 2547371
+91 85442 99526
https:// biharfoundation. bihar.govt.in

सम्प्रति बिहार

बिहार फाउन्डेशन की प्रस्तुति

बिहार के महत्वपूर्ण अखबारों में छपे **सकारात्मक** समाचारों का संकलन

आषाढ़ कृष्ण पक्ष द्वादशी शनिवार विक्रम संवत् 2079। 25 जून 2022

6TH FLOOR, INDIRA BHAWAN, RCS PATH, PATNA-800001. BIHAR, INDIA.

आपूर्ति शृंखला में भी निवेश के लिए बिहार बेहतरीन मुकाम

बोले शाहनवाज

- उद्योग मंत्री ने सप्लाई चेन मैनेजमेंट एंड लॉजिस्टिक्स समिट को किया संबोधित

पटना, हिन्दुस्तान ब्यूरो। उद्योग मंत्री सैयद शाहनवाज हुसैन ने कहा है कि औद्योगिकीकरण की ओर तेजी से आगे बढ़ रहा बिहार आपूर्ति शृंखला और लॉजिस्टिक क्षेत्र में भी निवेश के लिए बेहतरीन मुकाम बन गया है। बढ़ते उद्योग और इसके आसपास के राज्यों और पड़ोसी देशों को मिलाकर करीब 55 करोड़ की आबादी के बड़े बाजार का फायदा बिहार में निवेश करने वालों को मिल रहा है। इसलिए बिहार में सप्लाई चेन और लॉजिस्टिक्स सेक्टर में निवेश फायदे का सौदा है।

शाहनवाज दिल्ली में आयोजित सप्लाई चेन मैनेजमेंट एंड लॉजिस्टिक्स समिट को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने समिट में शामिल देश की बड़ी सप्लाई चेन और लॉजिस्टिक्स कंपनियों के प्रतिधिनियों से बिहार में इस सेक्टर में निवेश की अपील की। कहा कि बिहार में इस वक्त उद्योग व इससे जुड़े सभी सेक्टर के लिए बेशुमार संभावनाएं हैं। बिहार में भी हम इस सेक्टर में लंबी छलांग की तैयारी कर रहे हैं। अनुकूल माहौल बनने से बिहार तेज रफ्तार से औद्योगिकीकरण के नए युग की ओर बढ़ रहा है। इसमें सप्लाई चेन और लॉजिस्टिक्स सेक्टर की अत्यंत महत्वपूर्ण भागीदारी जरूरी है।

क्या है लॉजिस्टिक्स क्षेत्र

एक ऐसी प्रक्रिया है जिसके तहत माल, सेवाओं या सूचनाओं को योजनाबद्ध तरीके से उसके उत्पति वाले स्थान से उपयोग वाले स्थानपर भेजा जाता है।

दिल्ली में आयोजित सप्लाई चेन मैनेजमेंट एंड लॉजिस्टिक्स समिट का उद्घाटन करते शाहनवाज हुसैन।

सौजन्य से हिन्दुस्तान | पटना | 25.06.2022 | पृष्ठ सं० 06

चार महीने में 16 लाख पर्यटक पहुंचे बिहार

कोरोना के कारण पर्यटकों की संख्या में आई थी बड़ी गिरावट

पटना, हिन्दुस्तान ब्यूरो। कोरोना का कहर थमते ही बिहार में पर्यटकों के आने-जाने का सिलसिला शुरू हो गया है। इस साल के शुरुआती चार महीने में ही लगभग 16 लाख पर्यटक बिहार आ चुके हैं। हालांकि देसी पर्यटक तो बिहार आ रहे हैं लेकिन विदेशी पर्यटकों के आने का सिलसिला अभी जोर नहीं पकड़ा है। मात्र चार हजार विदेशी पर्यटक ही अप्रैल तक बिहार आ सके हैं। इसका मूल कारण अब भी अंतरराष्ट्रीय उड़ानों का निर्बाध रूप से शुरू नहीं होना और भारत की तुलना में दुनिया के अन्य देशों में कोरोना का कहर अधिक होना है।

पर्यटन विभाग की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार इस साल जनवरी में 84 हजार 281 पर्यटक बिहार आए, जिसमें मात्र 71 विदेशी पर्यटक थे। चूंकि जनवरी में कोरोना का प्रभाव था। इसलिए पर्यटकों के आने का सिलसिला कम रहा, लेकिन फरवरी में तीन लाख 28 हजार 228 पर्यटक बिहार आए। इसमें 841 विदेशी थे। मार्च में रिकॉर्ड छह लाख 73 हजार 934 पर्यटक बिहार आए, जिसमें 1543 विदेशी थे। वहीं अप्रैल में पांच लाख 607 पर्यटकों में 1456 विदेशी पर्यटक बिहार आए।

04 हजार विदेशी पर्यटक अप्रैल तक आए बिहार

- विदेशी पर्यटकों की संख्या अभी नहीं बढ़ी

राजगीर-नालंदा में सबसे अधिक आ रहे लोग

बिहार में घूमने वाले पर्यटकों के बीच राजगीर व नालंदा सबसे लोकप्रिय पर्यटक स्थल है। राजगीर में तीन लाख 67 हजार 530 देसी तो 399 विदेशी पर्यटक आए। इसके बाद दूसरे नंबर पर नालंदा रहा जहां दो लाख 21 हजार 266 देसी तो 602 विदेशी पर्यटक आए। तीसरे पायदान पर बोधगया रहा, जहां एक लाख 77 हजार 442 देसी तो 978 विदेशी पर्यटक आए। पटना में एक लाख 1 लाख 63 हजार 626 देसी तो 840 विदेशी पर्यटकों ने पर्यटकीय स्थलों का भ्रमण किया। मुजफ्फरपुर में एक लाख 17 हजार 720 देसी तो एक विदेशी पर्यटक आए। सबसे कम बांका में 4327 पर्यटकों ने सैर किया।

2019 की तुलना में अभी कम आ रहे

कोरोना का कहर साल 2020 और 2021 में रहा। इस साल इसका प्रभाव कम होने के कारण पर्यटकों की संख्या में वृद्धि होने लगी है लेकिन यह कोरोना काल के पहले वाले वर्ष 2019 से तुलना करें तो अभी कम ही है। साल 2019 के जनवरी में 19 लाख 81 हजार 464, फरवरी में 15 लाख 24 हजार 833, मार्च में 14 लाख 76 हजार 109 तो अप्रैल में 12 लाख 32 हजार 762 पर्यटकों ने बिहार का भ्रमण किया था।

अधिकारियों के अनुसार मई-जून में स्कूलों में छुट्टी हुई। ऐसे में देश भर के पर्यटक एक से दूसरे राज्य आया-जाया करते हैं। ऐसे में जब मई-जून का आंकड़ा सामने आएगा तो निश्चित तौर पर पर्यटकों की संख्या में इजाफा होगा।

सौजन्य से हिन्दुस्तान | पटना | 25.06.2022 | पृष्ठ सं० 06

शोध को प्रोत्साहन | संस्थान चाह रहा है कि ज्यादा से ज्यादा छात्र-छात्राएं यहां रिसर्च के लिए आएं

गांधी संग्रहालय के पुस्तकालय में 10 हजार किताबें मौजूद, कोलकाता और केरल से शोध करने आ रहे छात्र

सिटी रिपोर्टर . पटना

कोरोना की वजह से पिछले दो साल से गांधी संग्रहालय का पुस्तकालय बंद था। लेकिन इस साल इसकी शुरुआत हो चुकी है। संस्थान ने फैसला किया है कि वह रिसर्च के लिए आ रहे छात्र-छात्राओं पर ज्यादा फोक्स करेगा। संस्थान चाह रहा है कि ज्यादा से ज्यादा छात्र- छात्राएं,यहां पर रिसर्च के लिए आएं। गांधी संग्रहालय के पुस्तकालय में विभिन्न विषयों पर 10 हजार से ज्यादा किताबें मौजूद हैं। यहां पर जनवरी से छात्र- छात्राएं विभिन्न विषयों पर रिसर्च करने के लिए आ चुके हैं। अभी गांधी संग्रहालय में कोलकाता और केरल के कुछ छात्र जयप्रकाश नारायण और कोविड के दौरान मीडिया की भूमिका पर रिसर्च कर रहे हैं। गांधी संग्रहालय के संयुक्त सचिव आशिफ वसी ने बताया है कि पुस्तकालय के रख- रखाव को ध्यान में रखते हुए इस बात का फैसला किया गया है कि इस लाइब्रेरी को रिसर्च और स्कॉलर के लिए छात्र- छात्राओं को दिया जाए।

जेपी आंदोलन और कोविड के दौरान मीडिया की भूमिका पर कर रहे शोध

स्वतंत्रता सेनानी से जुड़ी किताबें मौजूद

लाइब्रेरी में 1970 से आज तक के अखबार के अलावा महात्मा गांधी, राजेंद्र प्रसाद, सरदार वल्लभ भाई पटेल, जयप्रकाश नारायण, कार्ल मार्क्स , व्लादिमीर लेनिन, बद्री प्रसाद, भिखारी ठाकुर, चंपारण के वक्त नेताओं की भूमिका, बिहार के मुख्यमंत्री, भारत के इतिहास से जुड़े स्वतंत्रता सेनानी से जुड़ी लगभग दस हजार किताबें संग्रहालय में मौजूद हैं। संग्रहालय से जुड़े लोगों की मानें इन किताबों से स्कॉलर को रिसर्च करने में काफी मदद मिलेगी।

जनरल लाइब्रेरी के रख-रखाव में कई मुश्किलें

संस्थान के संयुक्त सचिव आशिफ वसी बताते हैं कि पहले यह जनरल लाइब्रेरी थी, लेकिन अब हम कोशिश कर रहे हैं कि इसे रिसर्च और स्कॉलर पर फोक्स किया जाए। जनरल लाइब्रेरी के रख- रखाव करने में कुछ दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। पुस्तकालय में विभिन्न विषयों पर किताबें मौजूद हैं। ऐसी कोशिश है कि जो बच्चे यहां पर रिसर्च करने आएं, उन्हें बिहार और भारत के इतिहास, स्वतंत्रता सेनानी और गांधी जैसे विषयों पर पूरी जानकारी मिल सके। कुछ पुराने स्टूडेंट हैं, जो यूपीएससी, रेलवे, एसएससी और कॉम्पिटिशन की तैयारी कर रहे हैं, उनके लिए किताबें लाते रहे पर अब रिसर्च के लिए फोक्स किया जाएगा। लाइब्रेरी में जनवरी के बाद से 6 से 7 स्टूडेंट रिसर्च के लिए आ चुके हैं। आने वाले वक्त में इनकी संख्या में इजाफा होगा।

1970 से आज तक यानी 52 साल के अखबार यहां मौजूद

केरल से रिसर्च करने आई समरीन बताती हैं कि कोविड के दौरान उत्तर भारत के राज्यों ने कैसे खबरें लिखी थीं। इस पर वह एक शोध कर रही हैं। लाइब्रेरी में 1970 से आज तक यानी 52 साल के अखबार मौजूद हैं। अंग्रेजी और हिंदी दोनों ही अखबार यहां पर पढ़ने को मिले हैं। कोलकाता से आए छात्र और छात्राएं बताती हैं कि उन्हें जय प्रकाश नारायण के द्वारा संचालित आंदोलन पर थीसिस करनी है। इसलिए उन्होंने गांधी संग्रहालय को चुना क्योंकि यहां पर 10 हजार से ज्यादा किताबें मौजूद हैं। भारत के सभी मशहूर स्वतंत्रता सेनानी पर किताबें, उनकी जीवनी, उन लोगों ने आंदोलन कैसे संचालित किया, सबकुछ यहां की लाइब्रेरी में मौजूद है।

सौजन्य से दैनिक भास्कर | पटना | 25.06.2022 | पृष्ठ सं० 09

BIHAR FOUNDATION
BONDING • BRANDING • BUSINESS

43 हजार 995 करोड़ 23 लाख का प्रथम अनुपूरक व्यय विवरणी सदन में पेश

बच्चों की पढ़ाई व गरीबों के घर पर खर्च होंगे 11196 करोड़

मानसून सत्र

100 करोड़ आपदा निवारण कोष मद में खर्च किए जाएंगे

विधानसभा में 5 अध्यासी सदस्यों का हुआ मनोनयन

25765 करोड़ खर्च होंगे वार्षिक स्कीम मद में

17954 करोड़ खर्च होंगे स्थापना एवं प्रतिबद्ध मद में

53.50 करोड़ खर्च होंगे केंद्रीय क्षेत्र स्कीम मद में

पटना, हिन्दुस्तान ब्यूरो। सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों की पढ़ाई और गांवों में गरीबों को घर बनाने के लिए सरकार ने खजाना खोल दिया है। वार्षिक स्कीम के तहत राज्यांश मद में समग्र शिक्षा अभियान के तहत 9400 करोड़ तो गांवों में गरीबों का घर बनाने के लिए पीएम आवास योजना (ग्रामीण) मद में सरकार 1796 करोड़ खर्च करेगी। वहीं, गांवों की सड़कों को बनाने में पीएमजीएसवाई के तहत 1400 करोड़ खर्च होंगे।

जाति जनगणना में खर्च होने वाली राशि स्थापना मद से खर्च की जाएगी। इसके लिए 500 करोड़ का प्रावधान किया गया है। शुक्रवार को विधानसभा में प्रभारी मंत्री मंगल पांडेय की ओर से पेश प्रथम अनुपूरक व्यय-विवरणी में इन योजनाओं के लिए राशि का प्रावधान किया गया है।

वित्तीय वर्ष 2022-23 में प्रथम अनुपूरक व्यय विवरणी के तहत सरकार ने 43 हजार 995 करोड़ 23 लाख रुपए का प्रावधान किया है। इसके तहत स्थापना मद का 9150 करोड़ आकस्मिकता निधि में खर्च होगा। 3613 करोड़ पंचायती राज संस्थाओं, 3183 करोड़ बिजली कंपनियों को तकनीकी व व्यावसायिक नुकसान की भरपाई, 583 करोड़ कोविड उन्मूलन, 200 करोड़ कोरोना से मृतकों के आश्रितों को अनुग्रह अनुदान देने, 100 करोड़ जिला आपातकालीन राहत सुविधा व 100 करोड़ आपदा निवारण कोष मद में प्रावधान किया गया है।

पांच दिवसीय सत्र संचालन के लिए विधानसभा में पांच अध्यासी सदस्य मनोनीत किए गए। विस अध्यक्ष विजय सिन्हा ने प्रेम कुमार, नरेन्द्र नारायण यादव, अवध बिहारी चौधरी, ज्योति देवी व मो. आफाक आलम का मनोनयन किया। ये सदस्य विस अध्यक्ष व उपाध्यक्ष की अनुपस्थिति में सदन का संचालन करेंगे।

वार्षिक स्कीम मद में 1763 करोड़ केंद्रांश मद में तो 17 हजार 577 करोड़ राज्यांश मद में खर्च होंगे। केंद्रांश मद में मिली महत्वपूर्ण राशि में 489 करोड़ 93 लाख बीआरजीएफ, 450 करोड़ पीएम गरीब कल्याण एवं आत्मनिर्भर भारत योजना, 200 करोड़ राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना, 125 करोड़ पीएम आयुष्मान भारत हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर मिशन, 123 करोड़ सामाजिक सुरक्षा कल्याण तो 56 करोड़ प्री-मैट्रिक छात्रवृत्ति मद में खर्च होंगे।

वहीं, वार्षिक स्कीम में ही राज्यांश मद में 1584 करोड़ राष्ट्रीय शहरी स्वास्थ्य मिशन, 650 करोड़ मध्याह्न भोजन योजना, 629 करोड़ पूरक पोषाहार योजना, 455 करोड़ इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन, 365 करोड़ राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन, 357 करोड़ आईसीडीएस, 200 करोड़ पीएम गरीब कल्याण एवं आत्मनिर्भर, 100 करोड़ पीएम मातृ वंदना योजना में खर्च होंगे। वार्षिक स्कीम के तहत राज्य स्कीम मद में 925 करोड़ सीएम वृद्धजन पेंशन योजना, 912 करोड़ सीएम बालिका इंटरमीडिएट प्रोत्साहन योजना, 900 करोड़ रुपए सड़क प्रक्षेत्र में भू-अर्जन और 460 करोड़ थाना-ओपी के भू-अर्जन पर खर्च होंगे।

पटना मेट्रो के भू-अर्जन के लिए **250 करोड़** : प्रथम अनुपूरक बजट में 250 करोड़ पटना मेट्रो परियोजना के भू-अर्जन मद में खर्च के लिए रखा गया है। वहीं, 206 करोड़ मध्याह्न भोजन योजना, 200 करोड़ बिहार निःशक्तता पेंशन योजना, 180 करोड़ महादलित, दलित व अल्पसंख्यक अतिपिछड़ा वर्ग अक्षर आंचल योजना, 175 करोड़ बिहार भवन मुंबई के लिए, 159 करोड़ लक्ष्मीबाई सामाजिक सुरक्षा पेंशन, 150 करोड़ शिक्षा का अधिकार योजना, 108 करोड़ आईसीडीएस स्थापना मद तो 100 करोड़ पुल प्रक्षेत्र में भू-अर्जन पर खर्च होंगे।

सौजन्य से हिन्दुस्तान | पटना | 25.06.2022 | पृष्ठ सं० 01

ओला-उबर की तर्ज पर किसान मंगा सकेंगे कृषि यंत्र

विशेष

■ कौशिक रंजन

पटना। राज्य के किसान अब ओला-उबर की तर्ज पर ट्रैक्टर समेत अन्य कृषि यंत्रों की बुकिंग कर सकेंगे। मुख्यमंत्री हरित कृषि संयंत्र योजना के तहत पहले चरण में 2927 पैक्सों में कृषि संयंत्रों का बैंक बनाया जा रहा है। इसके लिए 439 करोड़ रुपये जारी कर दिये गये हैं। अब तक 1803 पैक्सों में यंत्र बैंक बनकर तैयार हो गया है। अभी ये ऑफलाइन माध्यम से काम कर रहे हैं। जल्द इन चुनिंदा पैक्सों में संयंत्र बैंक बनाकर इन्हें एक विशेष मोबाइल एप से जोड़ दिया जायेगा। एप बनाने की प्रक्रिया अंतिम चरण में है। 15 जुलाई तक इसके शुरू होने की संभावना है। इसकी मदद से कोई किसान कहीं से अपने संबंधित पैक्स में मौजूद कृषि संयंत्र बैंक से ट्रैक्टर, रीपर, हैप्पी सीडर, लैंड लेजर लेवलर समेत अन्य सभी आधुनिक यंत्रों की बुकिंग कर सकते हैं। ये यंत्र बेहद किफायती किराये किसानों को मिलेंगे। सहकारिता विभाग के स्तर से इस योजना का संचालन किया जा रहा है। इस योजना के दूसरे चरण में राज्य के सभी 8463 पैक्सों को इससे जोड़ दिया जायेगा। इस योजना से राज्य के छोटे और मध्यवर्गीय किसानों को सबसे ज्यादा फायदा होगा। क्योंकि कम पूंजी होने के कारण वे महंगे यंत्र खरीदने में सक्षम नहीं होते हैं।

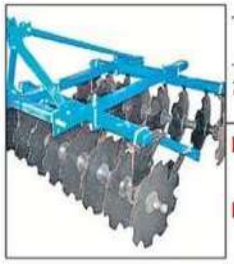

1803 पैक्सों में तैयार किया गया कृषि संयंत्र बैंक

- इसकी बुकिंग के लिए जुलाई से मिलेगी एप की सुविधा
- बुकिंग करने पर किसान को मिलेगा टाइम स्लॉट

इस तरह तय होगा किराया

कृषि यंत्र बैंक में मौजूद सभी यंत्रों का किराया तय करने के लिए प्रमंडल स्तर पर कमेटी बनी हुई है। इसमें संबंधित पैक्सों के अध्यक्ष, संयुक्त निबंधक, सहकारिता पदाधिकारी, क्षेत्र के दो किसान व अन्य सदस्य हैं। यह कमेटी ही किसी यंत्र के उपयोग का अधिकतम किराया तय करेगी। निर्धारित किराया से कम कोई पैक्स ले सकता है, लेकिन इससे अधिक किराया नहीं लिया जा सकता है।

ऐसे काम करेगा यह एप

- किसान अपने मोबाइल पर गूगल प्ले-स्टोर या विभाग की वेबसाइट पर मौजूद लिंक से एप डाउनलोड करेंगे
- अपना नाम-पता, मोबाइल नंबर डालकर ट्रैक्टर या अन्य किसी यंत्र की बुकिंग करेंगे
- बुकिंग नंबर के साथ ही टाइम स्लॉट मिलेगा
- टाइम स्लॉट के मुताबिक किसान के खेत तक यंत्र पैक्स स्तर पर संचालित संयंत्र बैंक से पहुंच जायेगा
- किसी यंत्र की मांग ज्यादा होने पर बुकिंग अधिक हो रही है, तो अलग-अलग दिन का टाइम स्लॉट दिया जा सकता है
- फिर इस आधार पर इसकी बुकिंग होगी

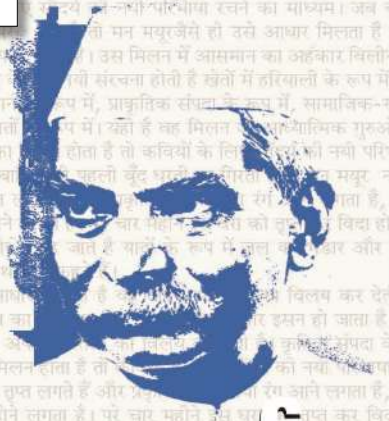

सौजन्य से हिन्दुस्तान | पटना | 25.06.2022 | पृष्ठ सं० 01

बिहार कोविड अपडेट

⇒ कुल सक्रिय मामलों की संख्या	575
⇒ पिछले 24 घंटे के दौरान नए पॉज़िटिव मामलों की संख्या	152
⇒ पिछले 24 घंटे के दौरान स्वस्थ हुए मरीजों की संख्या	67
⇒ कुल वैक्सीनेशन	13,51,61,163
⇒ कम से कम एक डोस	7,10,92,616
⇒ पूर्ण वैक्सीनेटेड	6,12,51,865

बिहार फाउन्डेशन नेटवर्क

विदेश अवस्थित चैप्टर

कतर
दक्षिण कोरिया
जापान
हॉग कॉग
यू.ए.ई.
सिंगापुर
बहरीन
न्यूजीलैंड
कनाडा
यू.एस.ए.
ऑस्ट्रेलिया
सऊदी अरब

देश अवस्थित चैप्टर

मुम्बई
हैदराबाद
पुणे
चेन्नई
नागपुर
गुजरात
कोलकाता
वाराणसी
गोवा

पाठकों से अपील

बिहार फाउन्डेशन के जुड़ने के लिए

बिहार फाउंडेशन उद्योग विभाग के अन्तर्गत राज्य सरकार की एक निबंधित सोसाईटी है जिसका मुख्य उद्देश्य राज्य के बाहर बसे देश-विदेश अवस्थित बिहारी समुदायों को उनके स्वयं के बीच तथा गृह राज्य के साथ जोड़ने का है। वर्तमान मे बिहार फाउंडेशन के कुल 21 चैप्टर्स हैं. बिहार फाउंडेशन से जुड़ने के लिए नीचे दिए वेबसाइट पर जाकर Non Resident Bihari Registration पर क्लिक करें और उपलब्ध फार्म को भरकर जमा करें -

https://biharfoundation.bihar.gov.in.